एग्री मैगज़ीन
(कृषि लेखों के लिए अंतरराष्ट्रीय ई-पत्रिका)
वर्ष: 02, अंक: 01 (जनवरी, 2025)
www.agrimagazine.in पर ऑनलाइन उपलब्ध
© एग्री मैगज़ीन, आई. एस. एस. एन.: 3048-8656

प्रयागराज की एक सोसाइटी रुद्रा एन्क्लेव की प्रेरक कहानी: खाली भूमि से हरित क्रांति तक

(डॉ. साकेत मिश्रा एवं *अखिलेश कुशवाहा)
उद्यान विभाग, सैम हिगिनबॉटम कृषि प्रौद्योगिकी एवं विज्ञान विश्वविद्यालय, नैनी, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश, भारत
*संवादी लेखक का ईमेल पता: akhileshkushwaha8726@gmail.com

सामुदायिक उद्यान एक साझा स्थान होता है जहाँ लोग मिलकर पौधे, फल और सब्जियाँ उगाते हैं। इन उद्यानों को अक्सर छोटे-छोटे भू-खंडों में विभाजित किया जाता है, जहाँ हर व्यक्ति अपनी जिम्मेदारी से अपना हिस्सा संभालता है और उसकी उपज का स्वामी होता है। कुछ मामलों में, पूरा उद्यान सामूहिक रूप से खेती किया जाता है, और उपज सभी सदस्यों के बीच साझा की जाती है।

डॉ. साकेत मिश्रा और रुद्र एनक्लेव का सामुदायिक उद्यान: एक प्रेरणादायक कहानी

डॉ. साकेत मिश्रा, एक पर्यावरण प्रेमी और दूरदर्शी व्यक्ति, ने रुद्र एनक्लेव की एक खाली भूमि को एक समृद्ध सामुदायिक उद्यान में बदल दिया है। उनकी यह उल्लेखनीय पहल न केवल इस क्षेत्र की सुंदरता बढ़ा रही है, बल्कि यह स्थिरता, एकता और हरियाली के प्रति जागरूकता का प्रतीक भी बन गई है। डॉ. मिश्रा की यात्रा एक साधारण विचार से शुरू हुई: बंजर ज़मीनों को उत्पादक और पर्यावरण के अनुकूल स्थानों में बदलना। रुद्र एनक्लेव के एक छोड़ी हुई भूमि की संभावना को देखकर, उन्होंने अपने पड़ोसियों को सामुदायिक उद्यान के विचार को प्रस्तुत किया। उनकी उत्सुकता और स्पष्ट दृष्टिकोण ने निवासियों को प्रेरित किया, और वे इस पहल का हिस्सा बनने के लिए तैयार हो गए।

चित्र 1- रुद्र एनक्लेव की सामुदायिक उद्यान

डॉ. मिश्रा ने उदाहरण पेश करते हुए अपने खाली समय में और शाम के समय को भूमि की सफाई, डिज़ाइन और खेती के लिए समर्पित किया। स्वयंसेवकों की मदद से बंजर भूमि जल्द ही उपजाऊ मिट्टी, स्थानीय पौधों और उन्नत गार्डन बेड से भर गई। आज यह उद्यान फलों, सब्जियों, जड़ी-बूटियों और फूलों से सुसज्जित है, जैसे- बैंगन, मूली, गाजर, सोया, मेथी, पालक, फ़ूल गोभी, पत्ता गोभी, ब्रोकली, धनिया, टमाटर, प्याज़, लहसुन इत्यादि और फलों में आम , केला, पपीता, आलू बुखारा, लीची, संतरा, नीबू, अंजीर इत्यादि, जो ताजा उपज और समुदाय के लिए एक शांत वातावरण प्रदान करता है। डॉ. मिश्रा ने कार्यशालाओं और व्यवहारिक सत्रों के माध्यम से प्रतिभागियों को स्थायी पद्धतियों, जैसे कि कंपोस्टिंग, जल संरक्षण और जैविक खेती के महत्व को सिखाया। यह परियोजना सीखने का एक केंद्र बन गई, जिसमें परिवार, बच्चे और वरिष्ठ नागरिक सक्रिय रूप से भाग ले रहे हैं।

डॉ. मिश्रा की सफलता की कहानी रुद्र एनक्लेव से परे भी चर्चित हो चुकी है। उनके प्रयासों ने आसपास के समुदायों को इस मॉडल को अपनाने के लिए प्रेरित किया है, जिससे शहर में हरियाली का विस्तार हो रहा है। डॉ. मिश्रा, जो युवा, खेती में रुचि रखते हैं, को मार्गदर्शन देते रहते हैं, अपने ज्ञान को साझा करते हैं और उन्हें कार्रवाई के लिए प्रेरित करते हैं। सामुदायिक उद्यान ने रुद्र एनक्लेव को कई तरीकों से बदल दिया है| उद्यान वायु की गुणवत्ता में सुधार करता है, जैव विविधता को बढ़ावा देता है और शहरी तापमान को कम करता है। निवासियों को एक साझा उद्देश्य मिला, जिसने दोस्ती और सहयोग को बढ़ावा दिया। ताजा उपज और शारीरिक गतिविधि तक पहुंच ने प्रतिभागियों के समग्र स्वास्थ्य को बेहतर बनाया।

भविष्य के लिए एक दृष्टि

डॉ. साकेत मिश्रा एक ऐसे शहर की कल्पना करते हैं, जहाँ हर मोहल्ले में सामुदायिक उद्यान हों, जो शहरी निवासियों को प्रकृति से फिर से जोड़ने और स्थायी जीवनशैली अपनाने का अवसर दें। उनकी कहानी यह प्रमाण है कि किसी एक व्यक्ति का दृढ़ संकल्प सामूहिक प्रयास को प्रेरित कर सकता है और स्थायी परिवर्तन ला सकता है। जैसे-जैसे रुद्र एनक्लेव का सामुदायिक उद्यान फल-फूल रहा है, यह दिखाता है कि जब समुदाय एक साझा दृष्टि के साथ एकजुट होता है, तो क्या हासिल किया जा सकता है। डॉ. मिश्रा की यात्रा हमें याद दिलाती है कि स्थिरता की दिशा में हर छोटा प्रयास बड़ा असर डाल सकता है।